Headline

1. **Asian Games: 72 साल में भारत का सबसे सफल एशियाड, रिकॉर्ड स्वर्ण जीतने से लेकर शूटिंग-एथलेटिक्स में रचा इतिहास**
2. **Mission Gaganyaan: अंतरिक्ष में यात्रियों को भेजने की कवायद तेज, जल्द शुरू होगा पहला मानवरहित उड़ान परीक्षण**

बंदउँ संत समान चित हित अनहित नहिं कोइ अंजलि गत सुभ सुमन जिमि सम सुगंध कर दोइ
जे श्रद्धा संबल रहित नहिं संतन्ह कर साथ तिन्ह कहुं मानस अगम अति जिन्हहि न प्रिय रघुनाथ
(मानस- श्रद्धांजलि। राम कथा 924 - मोरारी, गुजरात। मोरारी बापू)

सांध्य दैनिक

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 9 अंक : 91 | इंदौर, शनिवार 07 अक्टूबर, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

मिल मामले में कोर्ट में बोले सरकारी वकील

कैबिनेट ने मजदूरों के भुगतान के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है, दस्तावेज के लिए समय चाहिए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। हुकमचंद मिल मामले में हाई कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि मजदूरों के बकाया 174 करोड़ रुपये और ब्याज के 44 करोड़ रुपये के भुगतान का प्रस्ताव मंत्री परिषद की बैठक में स्वीकृत हो चुका है। हमें दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए समय चाहिए। कोर्ट ने एक सप्ताह का समय देते हुए सुनवाई आगे बढ़ा दी। अगली सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी।

गौरतलब है कि हुकमचंद मिल के मजदूरों को राहत देते हुए बुधवार रात हुई मंत्री परिषद की बैठक में मजदूरों के बकाया 174 करोड़ रुपये और ब्याज के 44 करोड़ रुपये का प्रस्ताव स्वीकृत हो चुका है। 12 दिसंबर 1991 को मिल बंद होने के बाद से मजदूर अपने हक के लिए भटक रहे हैं। करीब 32 वर्ष के संघर्ष के बाद उन्हें राहत मिली है।

सुनवाई में बड़ी संख्या में पहुंचे थे मजदूर

मजदूरों की ओर से हाई कोर्ट में पैरवी कर रहे एडवोकेट धीरज सिंह ने बताया कि शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में मजदूर कोर्ट पहुंचे थे। उन्हें उम्मीद थी कि मंत्री परिषद से प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद शासन इस दिन कोर्ट में भुगतान की कार्ययोजना प्रस्तुत कर देगा, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। अब मजदूर 13 अक्टूबर का इंतजार कर रहे हैं।

जिला प्रशासन की अनूठी पहल

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के लिये दिव्यांगों को दी जाएगी निःशुल्क कोचिंग

सांसद लालवानी और कलेक्टर ने किया 40 दिव्यांगों को रेट्रोफिटिंग स्कूटी का वितरण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर में आज शिक्षा तथा स्वरोजगार में मदद के लिये 40 दिव्यांगों को रेट्रोफिटिंग स्कूटी का वितरण किया गया। यह स्कूटी सांसद श्री शंकर लालवानी, कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना मालवीय, सहायता संस्था के डॉ. अनिल भंडारी द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी की पहल पर इंदौर जिले में दिव्यांगों की राह आसान करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिये अनूठी पहल के तहत रेट्रोफिटिंग स्कूटी वितरित की जा रही हैं। स्कूटी का यह वितरण रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से किया जा रहा हैं। जिले में अभी तक 380 दिव्यांगों को स्कूटी वितरित की जा चुकी हैं। स्कूटी वितरण में अभी तक 3 करोड 67 लाख 50 हजार रुपए का व्यय हुआ है । जिले में दिव्यांगजनों को शिक्षण-प्रशिक्षण देने के लिये भी विशेष प्रयास हो रहे हैं। दिव्यांगों को जिला प्रशासन एवं सामाजिक न्याय विभाग द्वारा प्रतियोगी परीक्षा जैसे बैंक, एलआईसी, रेल्वे कइइर इत्यादि की तैयारी हेतु निःशुल्क कोचिंग दी जा रही हैं। अभी तक 80 दिव्यांगजनों को कोचिंग दी गई। इसमें से 24 दिव्यांगजनों को विभिन्न विभागों / संस्थानों में नौकरी प्राप्त हुई हैं। कोरोना महामारी के चलते कोचिंग बंद कर दी गई थी, जिसे कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी द्वारा पुनः प्रारंभ करवाई गई है। सामाजिक न्याय विभाग द्वारा गूगल एप्लीकेशन फार्म के माध्यम से कोचिंग के इच्छुक छात्र/छात्राओं के आवेदन आमंत्रित किये गए। आमंत्रित आवेदनों में दृष्टिहीन, श्रवणवाधित एवं अस्थिवाधित दिव्यांगजनों के द्वारा कोचिंग की सुविधा हेतु आवेदन किया गया। बालिकाओं की कोचिंग महेश दृष्टिहीन कल्याण संघ बॉम्बे हॉस्पिटल के पीछे तथा बालकों की कोचिंग डीडीआरसी भवन समाज कल्याण परिसर में प्रारंभ की जा रही है।

बच्चों को भाषा-संस्कारों के साथ बड़ा करना चाहिए-डॉ. शर्मा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। हिन्दी बहुत ही वैज्ञानिक भाषा है। हमें अपनी भाषा पर गर्व होना चाहिए।भारतीय साहित्य बहुत ही समृद्ध है। इसी समृद्ध परंपरा को हमें अपनी नई पीढ़ी को हस्तांतरित करना चाहिए। यह कुछ पढ़कर और कुछ लिख कर हो सकता है। इसका एक उदाहरण है 'विमोचन' शब्द। लोग सिर्फ समाचारों में पुस्तक विमोचन का अर्थ पढ़ते हैं और उसे पुस्तक से जोड़कर देखते हैं, परंतु अपने बच्चों को भाषा-संस्कारों के साथ बड़ा करना चाहिए। ऐसे में बाल साहित्य की भाषा ही हमारी हिन्दी की दिशा प्रशस्त करेगी। बाल अधिकारों के प्रति चेतना जगाने के लिए 'पोशम्पा' का प्रकाशन अच्छा प्रयास है।

यह बात बाल काव्य संग्रह 'पोशम्पा' का विमोचन करते हुए 'वीणा' पत्रिका के विद्वान सम्पादक डॉ. राकेश शर्मा ने मुख्य अतिथि स्वरूप कही। विमोचन कार्यक्रम तक्षशिला परिसर स्थित मीडिया भवन में किया गया। इस पुस्तक का पूर्ण सम्पादन वरिष्ठ पत्रकार और सम्पादक अजय जैन 'विकल्प' ने किया है। पुस्तक पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला (देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर) तथा 'यूनिसेफ' की परियोजना के तहत प्रकाशित की गई है। हिन्दी की सेवा हेतु साहित्य अकादमी मप्र से अलंकृत हिन्दीभाषा डॉट कॉम द्वारा इस हेतु सभी साहित्यकारों के बीच प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में प्राप्त बहुत-सी रचनाओं में से चयनित को 'पोशम्पा' में प्रकाशित किया गया है। पुस्तक का नाम 'पोशम्पा' रखने का कारण बच्चों से जुड़ाव बताता है। अजय जैन 'विकल्प' ने बताया कि, प्राप्त रचनाओं में अनेक आलेख भी थे, परंतु एक प्रकार की रचनाओं कविताओं का प्रकाशन संभव हो पाया है। विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली नरगुन्दे ने कहा कि, इस माध्यम से विभाग, विश्वविद्यालय व साहित्यकार एक मंच पर आ पाए हैं। विभाग में भाषा को लेकर बहुत से प्रयोग होते रहते हैं। इनमें बाल साहित्य से लेकर सभी सेनानियों पर पुस्तकें निकालने का संकल्प चल रहा है। यूनिसेफ बच्चों के लिए कार्यरत है। ऐसे में साहित्य सृजन का यह कार्य सराहनीय है।

सिंधी समाज ने श्रदापूर्वक मनाया महालक्ष्मी पर्व

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। तीज-त्योहार किसी भी धर्म व संस्कृति की पहचान व धरोहर होते हैं। हमारे देश में विभिन्न धर्म व समुदाय के लोग एकजुट होकर रहते हैं। यहाँ के लोग सभी धर्मों के त्योहार एकजुट होकर मनाते हैं । यूँ तो श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त दान करने की परंपरा है किंतु आठवें श्राद्ध के दिन सिंधी समाज की महिलाएं घर के हर सदस्य को पीला धागा, पीला प्रसाद, मीठा व्यंजन लेकर चार मुखी दिया जलाकर चारों दिशाओं के सुख समृद्धि की कामना कर महालक्ष्मी पर्व मनाया जाता है । महालक्ष्मी पूजन आज 6 अक्टूबर 2023, शुक्रवार को श्रदापूर्वक और धूमधाम से मनाया गया जिसमें सिंधी समाज की महिलाओं, पुरुष और बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया । सिन्ध रक्षक संगठन के संयोजक नरेश फुंदवानी ने बताया इस त्यौहार में सिंधी समाज द्वारा हर परिवार में घर के सभी सदस्यों को ह्मसगिड़ाह्न (पीला धागा) पहना कर अष्टमी के दिन उसे मीठी पूड़ी पर लपेटकर ब्राह्मण के यहाँ पूजा करके फिर अक्खा डालकर दिया जाता है । इस दिन तरह-तरह के मीठे पकवान बनाए जाते है जिनका लक्ष्मीजी को भोग लगाकर बाँटकर खाया जाता है ।

कटाक्ष

मेयर इन कौंसिल की बैठक संपन्न

50 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की स्वीकृति

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा महापौर सभाकक्ष में मेयर इन कांउसिल की बैठक संपन्न हुई। बैठक में आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह, महापौर परिषद सदस्य राजेन्द्र राठौर, श्री निरंजनसिंह चौहान, अश्विनी शुक्ल, नंदकिशोर पहाडिया, अभिषेक शर्मा, राजेश उदावत, जीतु यादव, श्रीमती प्रिया डांगी, राकेश जैन, श्री मनीष शर्मा, समस्त अपर आयुक्त, विभाग प्रमुख व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

महापौर श्री भार्गव द्वारा मेयर इन कौसिल की बैठक में खण्डवा रोड बिलावली तालाब पर बोटिंग, वॉटर स्पोर्टस हेतु पीपीपी मॉडल पर स्थापित करने, इंदौर शहर के विभिन्न तालाबो में पीपीपी मॉडल पर तालाबो से जलकुम्भी हटाने एवं पानी के उपचार हेतु सफाई एवं शुद्धीकरण हेतु योजना तैयार की गई है, जिसके तहत शहर के छोटा सिरपुर तालाब, हुक्माखेड़ी तालाब, अन्नपूर्णा तालाब, पिपल्याहाना तालाब, खजराना तालाब, निपानिया तालाब, तलावली चांदा तालाब, टिगरिया बादशाह तालाब, नहर भण्डारा, लिम्बोदी तालाब, पिपल्यापाला तालाब में उत्पन्न जलकुम्भी को हटाने हेतु निविदा आमंत्रण की स्वीकृति, जिसके तहत उक्त योजना में कन्सेस्नर / इंटरप्रिन्योर जलकुम्भी निकालकर ले जाएगा तथा उसका खाद आदि बनाकर पुर्नउपयोग हेतु किसानों को विक्रय करना तथा पानी की उपलब्धता अनुसार वॉटर स्पोर्ट्स की गतिविधियो को आयोजित करना है। इसके साथ ही बैठक में मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अद्योसंरचना निर्माण अंतर्गत विधानसभा 02 वार्ड 27 में नंदा नगर रोड पर रिक्त भूमि पर स्पोर्टस कॉम्पलेक्स का 15 करोड की लागत से निर्माण, ट्रांसपोर्ट नगर में 3 गलियों व मेनरोड का जनसहयोग से सीमेंट कांक्रीट, सयाजी होटल के पीछे स्थित मुक्तिधाम का जीर्णोद्धार, केशरबाग ब्रिज के पास नीचे एरिया में पब्लिक सुविधा हेतु स्पोर्ट कॉम्पलेक्स, चाट चौपाटी एवं हॉकर्स झोन का पीपीपी मॉडल पर विकसित करना, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत उद्यान व घरो के पेडो की कटिंग, वेस्ट के निपटान हेतु पीपीपी मॉडल अंतर्गत 100 टन प्रतिदिन क्षमता के ग्रीन वेस्ट प्लांट की स्थापना, कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय में फिश एक्वेरियम के निर्माण हेतु कंसलटेंट नियुक्त, प्राणी संग्रहालय में प्रवेश द्वार के समीप जन निजी भागीदारी पीपीपी आधार पर 14 डी सिनेमा थिएटर एवं वर्चुअल जंगल सफारी का निर्माण, इन्दौर शहर के विभिन्न तालाबों में पीपीपी (पब्लिक प्रायवेट पार्टनरशीप) आधारित मॉडल पर तालाब की जलकुंभी हटाने एवं पानी का उपचार (ट्रिटमेन्ट), पश्चिम रिंगरोड स्थित माँ नर्मदा चौराहे का विकास, सुदृढीकरण एवं सौन्दर्यीकरण कार्य फेस-2 के संबंध मे सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई।

कैसे 200 करोड़ की शादी ने सट्टेबाज को फंसाया

महादेव बेटिंग ऐप के माध्यम से सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल पांच हजार करोड़ का सम्राज्य बना चुके हैं। ईडी के मुताबिक कंपनी का संचालन दुबई से होता है लेकिन उसके दफ्तर भारत सहित दुनिया भर में हैं। इसी साल फरवरी महीने में दुबई में सौरभ चंद्राकर की शादी थी...जहाँ यह शादी ईडी की नजर में आई।

जानें ED के एक्शन की कहानी

◆ पुलिस से लेकर राजनेताओं तक की मिलीभगत

दरअसल, सबसे पहले अनिल दम्मानी और सुनील दम्मानी की मदद से KYC के जरिए बड़ी संख्या में बेनामी बैंक एकाउंट खोले गए। मेन प्रमोटर सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल और पैनल ऑपरेटर (कॉल सेंटर ऑपरेटर) इन सभी की मिली भगत से इस बैटिंग ऐप सिंडिकेट को चलाया जा रहा था। इस सिंडिकेट को चलाने के लिए पुलिस, पॉलिटिशियन और ब्यूरोक्रेट्स को भी हिस्सेदारी दी गई थी। अनिल दम्मानी का रोल इस सिंडिकेट में सिर्फ ऑनलाइन बेटिंग ऐप को ही चलाना नहीं, बल्कि बड़े स्तर पर हवाला के जरिए आने वाले पैसे को बेटिंग ऐप में इस्तेमाल करने के साथ-साथ पुलिस, पॉलिटिशियन और ब्यूरोक्रेट्स जो इस ऐप से लाभान्वित होते थे, उन तक पैसा पहुंचा जाता था ताकि कोई इन पर उंगली ना उठा सके। हवाला के जरिए मोटा कैश UAE में बैठे प्रमोटर छत्तीसगढ़ में अनिल और सुनील दम्मानी को भेजते थे। उसके बाद छत्तीसगढ़ पुलिस के एक ASI चन्द्र भूषण वर्मा तक ये पैसा पहुंचाया जाता था, जिसकी जिम्मेदारी थी कि छत्तीसगढ़ पुलिस में तैनात पुलिस अधिकारी ब्यूरोक्रेट्स और राजनीतिक प्रभाव वाले लोगों तक इस पैसे को बतौर रिश्वत पहुंचाना। यह पैसा रायपुर के सदर बाजार में एक ज्वेलर के यहां हवाला के जरिए भेजा जाता था।

@ DGR विशेष

नई दिल्ली। महादेव बेटिंग ऐप केस तब खूब चर्चा में आया, जब बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर, कपिल शर्मा और श्रद्धा कपूर जैसी फिल्मी हस्तियों को केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने समन जारी किया और पेश होने के लिए कहा। ईडी का कहना है कि कंपनी के प्रवर्तक सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल दुबई से महादेव बेटिंग ऐप संचालित कर रहे थे। ईडी का आरोप है कि वे नए यूजर्स का पंजीकरण करने के लिए 'ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्लीकेशन का इस्तेमाल करते थे, आईडी बनाते थे एवं बहुस्तरीय बेनामी बैंक खातों के नेटवर्क से धनशोधन करते थे। अब तक इस केस में ईडी ने 4 लोगों की गिरफ्तारी की है, जिनमें दो सगे भाई सुनील दम्मानी, अनिल दम्मानी हैं। इसके अलावा, छत्तीसगढ़ पुलिस का एएसआई चंद्रभूषण वर्मा और सतीश चंद्राकर शामिल है। ईडी की जांच रिपोर्ट की मानें तो महादेव बेटिंग ऐप को दुबई में बैठकर छत्तीसगढ़ के भिलाई के रहने वाले सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल ऑपरेट करते थे। ये दोनों महादेव बेटिंग ऐप के प्रमोटर भी थे। मलेशिया, थाईलैंड हिंदुस्तान, यूएई में अलग-अलग बड़े शहरों में कॉल सेंटर खोले गए थे, जिनके जरिए अलग-अलग सब्सिडरी ऐप बनाकर ऑनलाइन सट्टा खिलाया जाता था। ईडी की तफ्तीश में साफ हुआ है कि महादेव बेटिंग ऐप के जरिए हजारों करोड़ रुपए के वारे न्यारे किए जा रहे थे। तो अब आपको समझाते हैं कि आखिरकार यूएई में बैठकर कैसे सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल, पुलिस-ब्यूरोक्रेट्स और पॉलिटिशियन का एक नेक्सस तैयार कर महादेव बेटिंग ऐप को हिंदुस्तान में ऑपरेट कर रहा था।

दम्मानी ब्रदर्श भारत में कर रहा था ऑपरेट

भारत में छत्तीसगढ़ समेत कई अलग-अलग राज्यों के बड़े शहरों में महादेव बुक ऐप के करीब 30 कॉल सेंटर खोले गए थे। इन कॉल सेंटर को बाकायदा एक चेन बनाकर बेहद शातिर तरीके से चलाया जा रहा था। सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के दो बेहद करीबी अनिल दम्मानी और सुनील दम्मानी की मदद से हिंदुस्तान में ऑपरेट कर रहा था। अब आपको समझते हैं कि सट्टे के इस खेल का मनी ट्रेल क्या है?

60-65 करोड़ रुपए का हुआ ट्रांजेक्शन?

पूछताछ में अनिल दम्मानी ने बताया कि पिछले दो-तीन साल में वह अपने भाई सुनील के साथ मिलकर रवि उप्पल के कहने पर 60 से 65 करोड रुपए का ट्रांजेक्शन हवाला के जरिए कर चुका है, जिसमें से उसे 6 लाख रुपए मिले। अनिल दम्मानी ने ये भी बताया कि ये दोनों अपनी ज्वेलरी की शॉप के जरिए हवाला का कारोबार भी चलाते हैं। इनकी CDR से पता चला कि ये दोनों भाई अनिल और सुनील UAE में बैठे रवि उप्पल के लगातार संपर्क में थे। ईडी का आरोप है कि ASI चन्द्र भूषण वर्मा कोई अच्छा पुलिस अधिकारी नहीं था बल्कि उसके जो संबंध थे, वह सीधे मुख्यमंत्री के पॉलिटिकल एडवाइजर विनोद वर्मा से थे। जिसके दम पर वह महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप को ऑपरेट करने के लिए तमाम पुलिस अधिकारी ब्यूरोक्रेट और पॉलिटिशियन को मैनेज कर रहा था। सतीश चंद्राकर जिसे ED ने इस केस में गिरफ्तार किया था, वो भी महादेव ऐप के चार कॉल सेंटर चला रहा था जिसमें उसकी 5 परसेंट की हिस्सेदारी थी। साथ ही सतीश की जिम्मेदारी अवैध पैसे के ट्रांजेक्शन की देख रेख करना भी था। जांच में यह भी साफ हुआ है कि सतीश चंद्राकर के संबंध एक नामी गैंगस्टर और ड्रग डॉन तपन सरकार के साथ भी थे, जो इस मामले में फरार चल रहा है।

महादेव बेटिंग ऐप का बॉलीवुड कनेक्शन?

दरअसल इसी साल फरवरी महीने में दुबई में महादेव ऑनलाइन गेमिंग ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर की शादी थी, जिसमें चार्टर्ड प्लेन से तकरीबन 17 बॉलीवुड हस्तियों को बुलाया गया था, जहां पर उनका स्टेज परफॉर्मेंस भी था। आरोप है कि इस परफॉर्मेंस के बदले में तमाम कलाकारों को हवाला के जरिए उन्हें परफॉर्मेंस के बदले करोड़ों रुपए दिया गया। साथ ही रणबीर कपूर पर आरोप है कि उन्होंने महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप की एक सपोर्टिंग ऐप को प्रमोट किया था। यही वजह है उन तमाम कलाकारों को जो वहां परफॉर्मेंस में शामिल थे, जांच के दायरे में शामिल किया है।

कमलनाथ बोले- शिवराज पीएम पर दबाव बनाने जनता से पूछ रहे मैं चुनाव लड़ू या नहीं लड़ू

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले नेताओं की बयानबाजी से सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में पीसीसी चीफ और पूर्व सीएम कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर बड़ा हमला बोला है। पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मध्य प्रदेश भाजपा में हताशा चरम पर है। पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम लेना बंद कर दिया और उन्हें मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर कर दिया। इसके जवाब में प्रधानमंत्री पर दबाव बनाने के लिए पहले तो मुख्यमंत्री ने जनता के बीच यह पूछना शुरू किया कि मैं चुनाव लड़ूं या नहीं लड़ूं और अब सीधे पूछ रहे हैं कि मोदी जी को प्रधानमंत्री होना चाहिए या नहीं। नाथ ने कहा कि पीएम और सीएम की जंग में, भाजपा में जंग होना तय है। जिन्हें टिकट मिला, वह लड़ने को तैयार नहीं है और जो टिकट की रेस से बाहर हैं, वह सबसे लड़ते फिर रहे हैं।

◆ यह अलग-अलग बयान दिए

बता दें सीएम शिवराज जनता से पूछ रहे है कि मैं चुनाव लड़ू या नहीं लड़ू। तीन अक्टूबर को सीएम ने बुदनी में पूछा कि मैं चुनाव लड़ूं या नहीं? यहां से लड़ू या नहीं? चार अक्टूबर को उन्होंने बुरहानपुर में कहा कि मैं देखने में दुबला पतता हूं, पर लड़ने में तेज हूं। इससे पहले सीहोर में कहा था कि मैं चला जाऊंगा तो बहुत याद आऊंगा। शुक्रवार को डिंडौरी में जनता से पूछा कि सरकार कैसी चल रही है, सीएम बनूं या नहीं? उन्होंने मीडिया के इन बयानों को देने को लेकर सवाल किया तो बोले कि इसे समझने के लिए गहरी दृष्टि चाहिए।

सिंगरौलिया हवाई पट्टी पर ट्रायल रन पूरा

भोपाल से उड़कर सिंगरौली पहुंचा प्लेन, ग्रामीण हुए खुश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सिंगरौली। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार सिंगरौली में बनी हवाई पट्टी का ट्रायल रन शुक्रवार को पूरा हुआ। आठ सीटर हवाई जहाज भोपाल से चलकर सिंगरौली की एयर स्ट्रिप पर पहली बार उतरा, इस दौरान सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण हवाई जहाज देखने के लिए पहुंचे थे। वहीं, कलेक्टर और एसपी भी जहाज का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर मौजूद रहे।

सिंगरौली जिले में लंबे समय से एयर स्ट्रिप बनने का इंतजार हो रहा था। स्थानीय विधायक लगातार इस मुद्दे को उठा रहे थे और अथक प्रयास कर रहे थे कि जल्दी से जल्दी हवाई पट्टी का निर्माण पूरा हो सके। शुक्रवार को आखिरकार नवनिर्मित हवाई पट्टी पर आठ सीटर जहाज ट्रायल रन के लिए पहुंचा। इस दौरान सिंगरौलिया इलाके में बने एयरपोर्ट पर सैकड़ों की संख्या में लोग भी हवाई जहाज को पहली बार देखने के लिए पहुंचे थे। हवाई जहाज के पायलट से बातचीत की गई, जिसमें उन्होंने एयरस्ट्रिप पर संतोष जाहिर किया। उनका कहना था कि थोड़ी बहुत जो कमियां हैं वह दूर की जा सकती हैं और यहां मध्यम दर्जे के हवाई जहाज आसानी से उतर सकते हैं। अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि पहली बार किसी भी एयर स्ट्रिप पर जहाज उतरने का एक अलग ही अनुभव और रोमांच होता है।

सिंगरौली कलेक्टर ने ट्रायल रन पूरा होने पर खुशी जाहिर की। उनका कहना है कि जो भी बचा हुआ काम है उसे जल्दी से जल्दी पूरा कर लिया जाएगा। साथ ही यह भी प्रयास किया जाएगा कि यहां छोटी ही सही पर नियमित उड़ान शुरू हो पाए।

जन आक्रोश रैली के दौरान सीहोर में मंच टूटा, पूर्व मंत्री जीतू पटवारी बाल-बाल बचे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सीहोर। कांग्रेस की जन आक्रोश रैली के दौरान सीहोर में उस समय बड़ा हादसा होने से बच गया। जब रैली के दौरान कांग्रेस नेताओं के स्वागत के लिए बनाया गया मंच अचानक टूट गया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। जिस दौरान यह हादसा हुआ उस वक्त मंच पर पूर्व मंत्री जीतू पटवारी भी मौजूद थे। यह पूरी घटना सीहोर में हुई।

बता दें कि कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा लेकर पूर्व मंत्री जीतू पटवारी आज सीहोर पहुंचे थे। पोस्ट ऑफिस के पास कांग्रेस दावेदार राजीव गुजराती ने सभी के स्वागत के लिए मंच बनवाया था। कांग्रेस के नेता जैसे ही मंच पर चढ़े, लोग ज्यादा होने की वजह से मंच अचानक धसक गया। इस दौरान कुछ नेता नीचे भी गिर गए, लेकिन जीतू पटवारी बाल-बाल बच गए। पूर्व आष्टा के नपाध्यक्ष कैलाश परमार सहित कई नेता मंच से नीचे गिर गए लेकिन समय रहते सभी संभल गए।

कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा सीहोर विधानसभा में प्रवेश करने के बाद नगर में भोपाल नाका से कोतवाली चौराहा होकर बड़ा बाजार पहुंची, जहां जनसभा का आयोजन किया गया। कांग्रेस द्वारा निकाली जा रही जन आक्रोश यात्राओं की शुरुआत 19 सितंबर से हुई थी। यह यात्राएं प्रदेश भर में 11 हजार किलोमीटर का सफर तय करेंगी। सभी यात्राएं अलग-अलग क्षेत्रों से निकाली जा रही है। इस दौरान जन आक्रोश यात्रा में शामिल कांग्रेस नेता जनता से कमलनाथ द्वारा किए गए 11 वादे बता रहे हैं।

पटवारी बोले-किसे बेवकूफ बना रहे हैं

पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने सीहोर में मीडिया से चर्चा करते हुए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सीहोर में एक सभा में कहां कि 'मैं चुनाव लड़ूं कि नहीं' यह बयान हताशा को दर्शाता है। पटवारी ने कहा कि भाजपा ने एक हजार करोड़ के लोन लेकर 45 हजार करोड़ के भूमिपूजन कर दिए। आप किसे बेवकूफ बना रहे हैं। भाजपा और शिवराज सिंह चौहान जाने वाले हैं। प्रदेश में कांग्रेस बड़ी जीत की और है प्रदेश में कांग्रेस आने वाली है। पूर्व मंत्री पटवारी ने प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को जमकर कोसा। उन्होंने भाजपा की उदाहरण के साथ कई कमियों को गिनाया।

खिचड़ी खाने के बाद फूड पॉयजनिंग का शिकार हुए 13 बच्चे, खाने में गिरा था जहरीला जीव

कटनी। कटनी जिले में एक बार फिर फूड पॉइजनिंग की घटना सामने आई है, जिसके शिकार हुए 13 मासूम बच्चे जिला अस्पताल में भर्ती कराए गए, जिनका इलाज जारी है। मंगलनगर स्थित बने रंगनाथ मंदिर में वेदों की शिक्षा लेने अलग-अलग जिलों से आए बच्चे प्रसाद में मिली खिचड़ी खाने से बीमार पड़ गए। जिसके बाद श्री गरुण ध्वज वेद पाठशाला के आचार्यों और पुजारी ने सभी बीमार 13 बच्चों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच में पाया की बच्चों की हालत फूड पॉइजनिंग के चलते बिगड़ी है जिनको बच्चा वार्ड में भर्ती कर इलाज किया गया।

जानकारी के मुताबिक बच्चों को मिली खिचड़ी में कोई जहरीला कीड़ा गिर गया था, जिस कारण बच्चो का स्वास्थ्य बिगड़ा। बीमार बच्चों की उम्र 10 वर्ष से लेकर 16वर्ष के अंदर है, जिन्हें उल्टी और बेचैनी जैसी समस्या हो रही थी। फिलहाल डॉक्टर के इलाज के बाद सभी की हालत स्थिर बताई गई लेकिन बच्चों की निगरानी के लिए उन्हें 12 घंटे के लिए जिला अस्पताल में ही भर्ती रखा गया है।

सिविल सर्जन ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जिला अस्पताल में कुछ बच्चों को प्रसाद खाने के बाद उल्टी, जी मिचलाना जैसी समस्या देखने को मिली है, ये सभी फूड पॉइजनिंग के लक्षण हैं, जिसके बाद बाल रोग विशेषज्ञ द्वारा जांच करने पर यह पाया गया कि 12 से 16 वर्ष की आयु के बच्चे अच्छी स्थिति में थे, लेकिन एहतियात के तौर पर रात तक उन्हें निगरानी में रखा गया था।

महिला बाल विकास अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

निवाड़ी। निवाड़ी में महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी सुभाष सोनी ने सहायिका के पद से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की पदोन्नति के एवज में एक लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी, जिसकी शिकायत सोनू शर्मा ने सागर लोकायुक्त को शिकायती पत्र देते हुए की थी। सोनू शर्मा ने बताया कि मेरी पत्नी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता थी, जिसकी लंबी बीमारी के चलते सितंबर में मृत्यु हो गई थी। मेरी साली कृष्णा शर्मा आंगनवाड़ी में सहायिका के पद पर नियुक्त थी, जब मैंने महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी सुभाष सोनी से अपनी साली को आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद पर नियुक्त करने की बात कही तब वह एक लाख रुपये की रिश्वत मांगने लगे, जब मैंने अधिकारी सुभाष सोनी से कहा कि इतने रुपये नहीं हैं तब जाकर चालीस हजार में डील फाइनल हुई। इसकी लिखित शिकायत मैंने सागर जाकर लोकायुक्त टीम से की थी। इस पर जब सोनू शर्मा तय समय पर महिला बाल विकास परियोजना कार्यालय में सुभाष सोनी को रुपये देने पहुंचे वैसे ही लोकायुक्त की टीम पीछे से आई और अधिकारी को चालीस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

संपादकीय

अमल को लेकर गंभीरता नहीं

भारी बारिश से विनाशकारी बाढ़ और जंगलों में आग लगने की घटनाओं में भी बढ़ोतरी हुई है। मुश्किल यह है तापमान में बढ़ोतरी को खतरनाक बताते हुए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में उसके हल के लिए सुझाए गए उपायों पर सहमति जताई जाती है, लेकिन इस पर अमल को लेकर गंभीरता नहीं दिखती। आखिर क्या कारण है कि हर अगले वर्ष तापमान में बढ़ोतरी को लेकर नए आकलन और उनकी वजह से समूची धरती पर मंडराते खतरे के संकेत सामने आ रहे हैं, लेकिन इसके हल की ओर अब तक कुछ ठोस होता हुआ नहीं दिख रहा। गौरतलब है कि गुरुवार को यूरोपीय संघ की 'कापरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस' यानी सीसीसीएस ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि इस वर्ष सितंबर अब तक का सबसे गर्म महीना रहा है। इसी वर्ष के शुरुआती नौ महीनों में पूरी दुनिया का तापमान औसत से 0.52 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था। मसला केवल महीने तक सीमित नहीं है। रपट के मुताबिक, सन 2023 अब तक का सबसे गर्म वर्ष के रूप में दर्ज होने वाला है। सवाल है कि अगर दुनिया भर में इस मसले पर अद्यतन जानकारियां और अध्ययनों की रपट सामने हैं और उसका असर लगातार बढ़ता साफ-साफ महसूस किया जा रहा है, तो आखिर इस समस्या को दूर करने को लेकर गंभीरता क्यों नहीं दिख रही! इस पर सोचना इसलिए भी जरूरी है कि यह कोई मौजूदा दौर की मुश्किल नहीं है कि थोड़ा-बहुत नुकसान उठा कर इसके निकल जाने का इंतजार कर लिया जाए, बल्कि इससे आने वाला समूचा वक्त प्रभावित होने वाला है, कई-कई पीढ़ियों को इसका खमियाजा उठाना पड़ सकता है। हालांकि इसके खतरे अभी ही वातावरण से लेकर आम जनजीवन पर खतरनाक असर डालने लगे हैं। मसलन, मौसम के चक्र के मुताबिक आमतौर पर सितंबर के महीने में गरमी काफी हद तक नरम पडऩी शुरू हो जाती है। लेकिन अगर सीसीसीएस जैसी संस्था अपने आकलन में न केवल सितंबर महीने को, बल्कि इस पूरे वर्ष के ही सबसे गर्म होने का दावा कर रही है तो अब तत्काल इस पर ध्यान देने की जरूरत है कि पिछले कई दशकों के दौरान 'ग्लोबल वार्मिंग' या धरती का तापमान बढ़ते जाने के कारणों की पहचान पर बात होने के बावजूद इसके हल के उपायों के प्रति लापरवाही और अनदेखी का नतीजा क्या हो सकता है। बढ़ते तापमान के खतरे के बीच इन तथ्यों पर बात होती रही है कि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के बजाय जीवाश्म ईंधनों को जलाने की वजह से जलवायु में बदलाव आ रहा है और इसी कारण मौसम में तीव्र उथल-पुथल देखी जा रही है। अलग-अलग देशों में लू और चक्रवाती तूफान का स्वरूप ज्यादा भयावह होने लगा है और इनकी आवृत्ति भी बढ़ गई है।

विश्वासघात

सालों पहले लखनपुर नाम के राज्य में भीमा नाम के राजा का शासन हुआ करता था। वह बहुत महत्वकांक्षी था और अपनी प्रजा से बहुत प्यार करता था। उनके राज्य में चारों ओर खुशहाली थी, लेकिन राजा-रानी खुद हमेशा दुखी रहते थे। उनके पास धन, दौलत, शोहरत सब कुछ था, लेकिन उनकी संतान न थी। संतान पाने के लिए राजा और रानी पूजा-पाठ, जप-तप सब करके देख चुके थे, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

एक दिन महर्षि के कहने पर राजा ने महायज्ञ कराने का फैसला किया। यज्ञ और भगवान के प्रताप से राजा को एक बहुत सुंदर कन्या की प्राप्ति हुई। राजा-रानी के साथ पूरी प्रजा खुशी से झूमने लगी। राज्य में चारों तरफ चारों तरफ खुशी का माहौल छा गया। राजा ने सारे नगर वासियों को पिता बनने की खुशी में भोज पर आमंत्रित किया।

धीरे-धीरे समय बीतने लगा। राजकुमारी बड़ी होने लगी। वह काफी सुंदर और गुणवान थी। राजा-रानी उसे देखकर ही खुश रहने लगे, लेकिन एक दिन उनकी खुशी को मानो जैसे नजर लग गई। राजकुमारी बीमार पड़ गई। बड़े-बड़े वैध, नीम-हकीम सब इलाज में जुटे, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। दिन-प्रतिदिन राजकुमारी की हालत बिगड़ती जा रही थी। राजकुमारी के ऊपर कोई दवा असर नहीं कर रही थी। राजा को लगने लगा कि एक बार वे फिर निसंतान हो जाएंगे।

एक दिन दूर देश से एक वैध राजा के महल पहुंचा। देखने में वह अजीब सा था और उसने ठीक तरह से कपड़े भी नहीं पहने हुए थे, जिस वजह से सैनिकों ने उसे राजमहल में प्रवेश करने से रोक दिया। वैध ने राजा से एक बार मिलने की बहुत गुजारिश करते हुए कहा कि मैं राजकुमारी को ठीक कर सकता हूं, लेकिन किसी ने उसकी बात पर यकीन नहीं किया।

सैनिक उस वैद्य को राजा के पास लेकर गए। वैध ने सबसे पहले राजा को अपना परिचय दिया और कहा कि मैं आपकी बेटी को ठीक कर सकता हूं। राजा उसकी बात सुनकर प्रसन्न हुआ, लेकिन उसका रहन-सहन देखकर राजा ने भी उस पर यकीन नहीं किया। उधर, राजकुमारी की तबियत दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही थी। इसलिए, राजा किसी वैद्य पर यकीन नहीं कर पा रहे थे, लेकिन उस वैद्य का आत्मविश्वास देखकर राजा ने उसे एक मौका देने का फैसला किया।

राजा ने वैद्य को बोला कि अगर राजकुमारी ठीक नहीं हुई तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहना। इस पर वैद्य ने बोला- ठीक है, लेकिन अगर राजकुमारी ठीक हो गई तो मुझे क्या मिलेगा।

राजा ने कहां- जो मांगोगे मिलेगा। वैद्य राजी हो गया।

राजा खुद उस वैद्य को लेकर राजकुमारी के पास गया। राजकुमारी बिस्तर पर बेजान सी लेटी हुई थी। ऐसा लग रहा था, जैसे किसी ने उसका सारा नूर निकाल लिया हो। चेहरा दर्द में डूबा पीला पड़ गया था। वैद्य राजकुमारी के करीब पहुंचा और नब्ज टटोलने लगा। फिर उसने थैले से जड़ीबूटियों से तैयार दवा की पुड़िया निकाली और राजकुमारी के मुंह में डाल दी।

वैद्य ने राजा और रानी से बोला कि आपकी बेटी जल्दी ठीक हो जाएगी। वैद्य की बात सुनकर राजा रानी के मन में बेटी के ठीक होने की एक उम्मीद की किरण जाग उठी। ऐसे ही इलाज करते हुए 2 महीने बीत गए। धीर-धीरे राजकुमारी की हालत में सुधार होने लगा। उसके चेहरे की चमक लौटने लगी। राजा-रानी के चेहरे की खुशी भी झलकने लगी। एक दिन वैद्य ने राजा से कहा- महाराज, राजकुमारी अब ठीक हो गई हैं। ये एक महीने की पुड़िया बनाकर दे रहा हूं। इसे समय पर राजकुमारी को देते रहना। इसके बाद राजकुमारी पूरी तरह स्वस्थ्य हो जाएंगी। यह बीमारी दोबारा उनके पास भी नहीं फटकेगी।

अगले दिन राजा ने वैद्य को अपने पास बुलाया और कहा कि वादे के मुताबिक मैं तुम्हे तुम्हारा इनाम देना चाहता हूं। बताओ तुम्हे क्या चाहिए।

वैद्य बोला- सोच लीजिए राजा जी, आप अपने वादे पर कायम रह पाएंगे।

राजा ने बोला- तुमने मेरी बेटी को स्वस्थ किया है। बोलो क्या मांगते हो।

वैद्य ने मुस्कुराते हुए कहा- आपका आधा राज्य और बेटी का हाथ।

इतना सुनते ही राजा आगबबूला हो गया। उसने कड़कते हुए कहा- तुम होश में तो हो। अगर तुमने मेरी बेटी के प्राणों की रक्षा न की होती तो तुम अब तक यमलोक पहुंच गए होते। उसने सैनिकों को आदेश दिया कि इसे राज्य से बाहर निकाल दिया जाए। वैद्य कुटिलता से मुस्कुराते हुए वहां से चला गया।

इस घटना के कुछ दिन ही बीते थे कि एक दिन फिर राजकुमारी की हालत बिगड़ गई। उसका शरीर नीला पड़ गया। आनन-फानन में राजवैद्य को बुलाया गया। राजवैद्य ने बताया कि राजकुमारी को जहर दिया गया है। इसका तोड़ किसी के पास नहीं है। कुछ देर बाद राजकुमारी ने दम तोड़ दिया। पूरे राज्य में मातम छा गया। राजा-रानी शोक में डूब गए।

छानबीन में पता चला कि वैद्य ने राजकुमारी को एक महीने खाने के लिए जो पुड़िया दी थी, उनमें से ही एक पुड़िया में जहर था। वैद्य को पहले ही शक था कि राजा उसकी बात नहीं मानेगा। इसलिए उसने एक पुड़िया में जहर भरकर रखा था। उसने सोचा कि अगर राजा शादी के लिए मान जाता है, तो वह जहर वाली पुड़िया हटा देगा, लेकिन अगर नहीं माना तो इसकी सजा राजकुमारी को भुगतनी होगी। वैद्य की चाल कामयाब हो गई।

कहानी से सीख

अगर किसी से कोई वादा किया है, तो उसे पूरा जरूर करना चाहिए।

स्वामी विवेकानंद की प्रेरक कहानी

सच्चा पुरुषार्थ

समय के साथ ही स्वामी विवेकानंद का ज्ञान और बातें पूरी दुनिया में फैल रही थीं। उनके भाषण और बातों से भारत के लोग ही नहीं, बल्कि विदेशी भी प्रभावित थे। हर कोई उन्हें अपना आदर्श मानने लगा था।

स्वामी विवेकानंद की बातों और विचारों से एक विदेशी महिला इतनी प्रभावित हुई कि मन ही मन में उन्होंने स्वामी से शादी करने की ठान ली। वो हर दिन उनके बारे में ही सोचती रहती थी। उस महिला ने स्वामी से मिलने की भी बहुत कोशिश की, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया।

कुछ समय बाद एक बार वह विदेशी महिला उस प्रोग्राम में पहुंच गई जहां स्वामी विवेकानंद भी मौजूद थे। वो बिना किसी डर के स्वामी के पास पहुंची और बिना किसी डर के कहा, "मैं आपसे शादी करना चाहती हूं।" महिला की मन की बात को सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उनसे सवाल किया कि आखिर आप मुझसे ही शादी क्यों करना चाहती हैं। मुझमें ऐसा क्या आपने देखा है?

स्वामी के सवाल का जवाब देते हुए उस विदेशी महिला ने कहा कि आपसे मैं बहुत प्रभावित हूं। आप बड़े ज्ञानी और गुणवान हैं। मैं चाहती हूं कि मेरा बेटा भी बिल्कुल आपके जैसा ही हो। इसी वजह से मैं आपसे शादी करना चाह रही हूं।

महिला की इस इच्छा को जानकर स्वामी ने महिला से कहा कि ऐसा होना असंभव है, क्योंकि मैं एक संन्यासी हूं। फिर उन्होंने आगे कहा कि भले ही मैं आपसे शादी नहीं कर सकता, लेकिन आपकी इच्छा को पूरा कर सकता हूं। महिला ने स्वामी से पूछा कि वो कैसे होगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा कि आप मुझे ही अपना बेटा मान लीजिए और आपको मां मान लेता हूं। ऐसा करने से आपको मेरे जैसा ही बेटा मिल जाएगा। स्वामी विवेकानंद की बातों को सुनते ही महिला उनके पैरों पर गिर गई। उसने आगे कहा कि आप सचमुच बहुत बुद्धिमान हैं। मुझे आप पर गर्व है। ऐसा करके स्वामी विवेकानंद ने खुद को अच्छा पुरुष साबित किया और सच्चे पुरुषार्थ का उदाहरण दिया। असली पुरुषार्थ वही होता है जब पुरुष के मन में नारी के लिए मां जैसा सम्मान का भाव होता है।

कहानी से सीख

हर पुरुष को महिला को सम्मान के भाव से देखना चाहिए। ऐसा माना भी गया है कि जहां महिला का सम्मान होता है, वहां देवता का वास होता है।

Maharashtra

पीएम और नरेंद्र मोदी स्टेडियम को उड़ाने की धमकी, बदले में लॉरेंस बिश्नोई को छोड़ने की मांग

मुंबई, (एजेंसी)मुंबई पुलिस को धमकी भरा एक मेल मिला है। इसमें प्रधानमंत्री और अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम को धमाके से उड़ाने की वार्निंग दी गई। गुरुवार रात मिले इस मेल में सेंडर ने इसके बदले भारत सरकार से 500 करोड़ रुपये की मांग की है। साथ ही कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को रिहाई भी मांगी गई है। मालूम हो कि बिश्नोई दिल्ली की मंडोली जेल में बंद है और नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के कई मैच होने हैं। ईमेल में कहा गया कि आतंकी गुट ने हमलों को अंजाम देने के लिए पहले से ही अपने लोगों को तैनात कर दिया है।

पुलिस के अनुसार, यह धमकी भरा मेल राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) को भेजा गया था जिसकी सूचना उसने मुंबई पुलिस को दी है। माना जा रहा है कि यह मेल यूरोप से भेजा गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया, 'एनआईए से हमें ईमेल मिला है। इसे लेकर हमने सभी संबंधित एजेंसियों को सतर्क कर दिया है।

हमें वह ईमेल आईडी भी मिली है जिससे एनआईए को ईमेल भेजा गया था। फिलहाल हम उसका पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। शुरुआती जांच में यह मेल यूरोप से भेजा गया मालूम पड़ता है।' पुलिस अधिकारी ने कहा कि मेल में दी गई धमकी फर्जी भी मालूम पड़ती है। यह विदेश में बैठे किसी व्यक्ति की शरारत हो सकती है। हालांकि, सभी क्रिकेट मैचों की सुरक्षा की समीक्षा की जाएगी और जरूरत पड़ी तो सिक्योरिटी बढ़ाई जा सकती है।

धमकी भरे मेल में कहा गया, 'अगर सरकार हमें 500 करोड़ रुपये देने और लॉरेंस बिश्नोई को रिहा करने में विफल रही तो हम नरेंद्र मोदी और नरेंद्र मोदी स्टेडियम को भी उड़ा देंगे। हिंदुस्तान में तो सब कुछ बिकता है और हमने भी कुछ खरीदा है। तुम कितना भी सुरक्षित रहो मगर हमसे नहीं बच पाओगे।

New Delhi

'फर्जी' Web Series देखकर जाली नोट छापने लगा पेंटर, ऐसे चढ़ा पुलिस के हत्थे

नई दिल्ली, (एजेंसी) कुछ दिनों पहले ओटीटी प्लेटफॉर्म Amazon Prime पर एक Web Series रिलीज हुई थी जिसका नाम फर्जी था. इस वेब सीरीज में लीड रोल निभाने वाले अभिनेता शाहिद कपूर पैसों की कमी होने पर नकली नोट छापने का धंधा शुरू कर देते हैं. मनोरंजन के लिए बनाई गई इसी फर्जी वेब सीरीज को देखकर दिल्ली में एक गैंग भी जाली नोटों का कारोबार करने लगा जिसका अब दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने भंडाफोड़ कर दिया है. पुलिस के मुताबिक गिरोह का सरगना शकूर जाली नोटों पर बनी वेब सीरीज फर्जी देखकर जाली नोट छापने लगा था. राजस्थान के नागौर के रहने वाले शकूर ने वेब सीरीज से आइडिया लेकर अपना एक गैंग बनाया. शकूर ने अपने गैंग में लोकेश, शिव, संजय और हिमांशु जैन जैसे लोगों को शामिल किया. फिर इन लोगों ने जाली नोट छापना शुरू कर दिया. जाली नोट को ये गैंग दिल्ली एनसीआर में भी बेचा करता था. ये लोग जाली नोट छोटे कारोबारियों को बेचा करते थे. दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को जब इनके बारे में पता लगा तो पुलिस ने पहले गिरोह के सरगना शकूर को दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर के पास पकड़ा. फिर उसकी निशानदेही पर पूरे गैंग को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस ने इनके पास से करीब 19 लाख रुपये के नकली नोट बरामद किए हैं.

Uttarpradesh

भाजपा नेता विनीत शारदा के बिगड़े बोल, कहा- सनातन धर्म का अपमान करने वाले जाएं पाकिस्तान

मेरठ, (एजेंसी) मेरठ के कंकरखेड़ा में भाजपा नेता विनीत शारदा अग्रवाल सनातन धर्म को अपमानित करने वाले लोगों के खिलाफ जमकर बरसे। उन्होंने ऐसे लोगों को पाकिस्तान जाने की सलाह दी। कंकरखेड़ा के आंबेडकर रोड स्थित द पार्टी पैलेस में शुक्रवार को व्यापारी गोष्ठी हुई।

मुख्य अतिथि भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत शारदा अग्रवाल रहे। उन्होंने सनातन धर्म का अपमान करने वालों पर जमकर निशाना साधा।

भाजपा नेता ने कहा, भगवान राम व सनातन धर्म का अपमान करने वाले पाकिस्तान जा सकते हैं। उनके लिए भारत में कोई जगह नहीं है। सनातन धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है।

New Delhi

बच्चों ऐसा मत करना : दिल्ली में पटाखों से बारूद कूटने के दौरान धमाका, लड़के की मौत; बहन अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली , (एजेंसी) निहाल विहार इलाके में बुधवार शाम एक घर में जोरदार धमाका हो गया। धमाके में 18 साल के युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी बहन सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां से सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया।

शुरुआती जांच में पता चला कि युवक पिछले साल के पटाखों से बारूद निकालकर उसे कमरे में कूट रहा था, इसी दौरान धमाका हो गया। हालांकि अभी बारूद के मात्रा के बारे में पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने लापरवाही से हुई मौत का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस युवक के परिजनों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। मृतक की पहचान पीयूष (18) के रूप में हुई है। जबकि घायलों की पहचान 9 साल की प्रियांशी और पड़ोसी रितिका (25) के रूप में हुई है।

पीयूष स्नातक की पढ़ाई कर रहा था और पिता यशपाल खन्ना, मां और छोटी बहन के साथ सी ब्लॉक नाले के पास निहाल विहार में किराये के मकान पर रहता था। पुलिस ने एफएसएल की टीम को बुलाकर छानबीन करवाई।

खेल

एशियन गेम्स 2023: भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, पहली बार पदकों का शतक लगाया

हांगझोऊ। 2023 एशियाई खेलों में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। 14वें दिन की सुबह भारत की झोली में पांच पदक आए। शूटिंग में ज्योति और ओजस ने स्वर्ण पदक जीता। वहीं, महिला कबड्डी टीम भी स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही। तीरंदाजी में अभिषेक ने रजत और अदिति ने कांस्य पदक अपने नाम किया। दिन का पहला पदक कंपाउंड तीरंदाजी में ही आया। अदिति ने महिला एकल में कांस्य पदक अपने नाम किया। इसके बाद इसी प्रतियोगिता में ज्योति ने स्वर्ण पदक जीता।

पुरुषों की कंपाउंड तीरंदाजी प्रतियोगिता का फाइनल अभिषेक और ओजस के बीच था। ऐसे में भारक दोनों पदक पहले से ही पक्के थे। ओजस ने फाइनल में बेहतर प्रदर्शन किया और स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि अभिषेक को रजत से संतोष करना पड़ा। इसके बाद महिला कबड्डी टीम ने चीनी ताइपे को हराकर लगातार चौथी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

शुरुआती 13 दिन में 95 पदक हासिल करने वाले भारत ने 14वें दिन 100 का जादुई आंकड़ा छुआ और पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। एशियाई खेलों के इतिहास में भारत ने पहली बार पदकों का शतक लगाया है। इस प्रतियोगिता में यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत ने 11वें दिन 71 का जादुई आंकड़ा छुआ था और एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। इसके बाद से यह बेहतर होता चला गया है। इससे पहले एशियाई खेल के एक संस्करण में भारत ने सर्वाधिक 70 पदक जीते थे। यह 2018 जकार्ता में हुआ था। आइए जानते हैं अब तक एशियाई खेलों में भारत का प्रदर्शन कैसा रहा है।

सिनेमा

Tiger 3 : सलमान खान स्टारर टाइगर 3 से कटरीना कैफ का सीन लीक, कड़क एक्शन करती आई नजर

फिल्म टाइगर 3 की रिलीज डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, फैन्स का एक्साइटमेंट और ज्यादा बढ़ता जा रहा है। फिल्म में एक बार फिर से सलमान खान और कटरीना कैफ एक्शन और रोमांस करते नजर आएंगे। वहीं फिल्म में पठान बने शाहरुख खान का कैमियो भी देखने को मिलेगा। इस बीच सोशल मीडिया पर कटरीना का एक फोटो लीक हो गया है और तेजी से वायरल हो रहा है, जिस में कड़क एक्शन की झलक दिख रही है।

सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हो रहा है, जिस में कथित तौर पर कटरीना कैफ एक्शन करती नजर आ रही हैं। दरअसल इस फोटो में एक एक्शन सीन की झलक है, जहां एक बाइक, कार से टकराती है। ब्लैक ड्रेस में महिला नजर आ रही हैं और हेलमेट की वजह से चेहरा नहीं दिख रहा है। सोशल मीडिया कैप्शन के मुताबिक ये जोया (टाइगर सीरीज में कटरीना कैफ का नाम) है। याद दिला दें कि कुछ वक्त पहले टाइगर 3 से का एक वीडियो लीक हुआ था, जिस में सलमान खान और कटरीना कैफ डांस करते नजर आ रहे थे। हालांकि इस वीडियो में दोनों का चेहरा साफ तौर पर नहीं दिख रहा था।

Highlights

1. Rajasthan to conduct caste-based census like Bihar: CM Gehlot
2. Major accident averted after massive boulders spotted on railway track near Pune
3. No hope of waking up Chandrayaan-3 lander & rover: Ex-ISRO chief Kiran Kumar
4. ISRO shares pics showing how plastic is being used to make roads
5. 4 policemen sexually assault 17-yr-old girl in car, slap her boyfriend in Tamil Nadu
6. H'yana waives ₹8,000-cr interest, fine on outstanding property tax

AI has us at another watershed moment: Google's Prabhakar Raghavan

NEW DELHI, (Agency). As it completes 25 years, Google's dominance of search must now navigate rapidly changing dynamics. Competition comes not just from search engines, but also chatbots and assistants vying for usage, as well as changing user preferences.

"Years ago, it might have seemed like science fiction to pull out a phone, take a picture of a broken bike part, and ask, "How do I fix this?" Today, you can use Google Lens, find out what's broken, where to pick up a replacement part, and how to repair it yourself, all in a matter of seconds," Prabhakar Raghavan, the senior vice president at Google, believes we are at another watershed moment in the journey of web search.

It is a space Google knows all too well, having dominated it for what is now a 25-year journey. So much so that Google's search became 'search' what WhatsApp is to text messaging. An evolution of Xerox defining photocopiers for years. A common theme – many tried to compete, but none came close. Numbers illustrate Google's dominance. Microsoft's Bing has around 3% market share compared with Google's 91% share, according to research firm Statcounter. Yet, artificial intelligence (AI) gives rivals a chance.

"Part of our responsibility and our opportunity is to keep pace with users' expectations and technological advancements, which are both constantly changing," Raghavan is clear about Google's way forward. Yet there is little doubt it faces the kind of challenges they haven't encountered in the past.

Bing's roll-out as an AI-based search engine gives it a first-mover advantage. The partnership with OpenAI for ChatGPT integration, and more recently with Meta for their Meta AI assistant, adds to that.

336,000 jobs added in US, check sectors that saw highest surge

NEW DELHI, (Agency). US employment unexpectedly surged in September, illustrating a durable labor market and bolstering the case for another Federal Reserve interest-rate hike.

Nonfarm payrolls increased 336,000 last month — the most since the start of the year — after sizable upward revisions to the prior two months, a Bureau of Labor Statistics report showed Friday. The unemployment rate held at 3.8%, and wages rose at a modest pace.

We're now on WhatsApp. Click to join.

Treasuries fell, extending a selloff in government securities that has rapidly pushed up yields over the past month and threatens to undercut the economy by driving up borrowing costs. Traders boosted bets on a Fed hike by year-end, while the S&P 500 opened lower and the dollar strengthened.

"This is a blowout report, and it'll have people thinking that the Fed may pull the trigger on another hike before year-end, the selloff in rates be damned," Omair Sharif, president and founder of Inflation Insights LLC, said in a note to clients.

The surprising vigor of the job market suggests companies remain confident about their sales prospects. While the pace of hiring has cooled since last year, its resilience remains a key source of strength for household spending and the broader economy.

For the Fed, however, the labor market's strength threatens to hinder progress on curbing inflation.

महाकाल मंदिर की तर्ज पर बनेगा इंदौर का लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन, बनेगी नई डिजाइन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व विधानसभा 1 से भाजपा के प्रत्याशी कैलाश विजयवर्गीय के आह्वान पर केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विन वैष्णव शुक्रवार को लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन का दौरा करने पहुंचे। रेलवे के मामले में अब तक पिछड़ा हुआ माने जाने वाले इंदौर शहर को रेलवे में बड़ी सौगात मिलने जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इंदौर रेलवे का बहुत बड़ा सेंटर बनने जा रहा है। छः तरफ से इंदौर को रेलवे के नेटवर्क से जोड़ने का काम काफी तेजी से चल रहा है। इंदौर-खंडवा, इंदौर-दाहोद, इंदौर-मनमाड़, इंदौर जबलपुर वाया बुधनी जल्द शुरू होने वाला है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इंदौर शहर के अंदर रेलवे स्टेशन का एक बड़ा प्लान बनाया गया है। इसके हिसाब से इंदौर सिटी के मुख्य स्टेशन और लक्ष्मीबाई स्टेशन दोनों के विकास का काम हाथ में लिया है। आज लक्ष्मीबाई स्टेशन का मुआयना किया है। शहर के भागीरथपुरा और बाणगंगा दोनों हिस्सों को जोड़ती हुई बहुत अच्छी रुफ प्लाजा, लिफ्ट और ऐस्कलेटर लगे। स्टेशन का डिजाइन महाकाल की संस्कृति से प्रेरित हो। इन सब भावनाओं के साथ अप्रूवल हो गए हैं और बहुत जल्द यहां पर कार्य शुरू करेंगे। लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन को इंदौर का मेजर हब बनाएंगे, जिस तरह इंदौर का विकास इस तरफ हो रहा है, उस हिसाब से इंदौर के विकास में रेलवे और लक्ष्मीबाई स्टेशन दोनों बड़ी भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा चार मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल इंदौर के आसपास के एरिया में बना रहे हैं जो की इंदौर के औद्योगिक और व्यावसायिक विकास में बहुत बड़ा रोल अदा करेंगे। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 के भाजपा प्रत्याशी कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि भागीरथपुरा से लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन तक आने के लिए आईडीए द्वारा 15 करोड़ रुपए लागत से नई सड़क बनाने की घोषणा उपाध्यक्ष गोलू शुक्ला द्वारा की गई है। इसके अलावा बाणगंगा की तरफ से भी लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन तक आने की सड़क का निर्माण इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा। विजयवर्गीय ने कहा कि लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन कार्गो के लिए भी उपयुक्त है। वर्तमान में पीथमपुर और घाटाबिल्लौद से कार्गो कंटेनर मुंबई और दूसरे शहर जाते हैं, जहां से अन्य स्थानों पर भेजे जाते हैं, लेकिन अब ट्रेन के माध्यम से ही कार्गो कंटेनर मुंबई भेजे जाएंगे और वहीं से ही एक्सपोर्ट किया जाएगा। इससे स्थानीय लोगों को फायदा होगा। लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन के डेवलपमेंट के बाद इस क्षेत्र के आसपास भी रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। विजयवर्गीय ने कहा कि हमने रेलवे मंत्री से मांग की थी कि लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन का विकास इस तरह से किया जाए कि यह भक्तिमय नजर आए। इंदौर के एक और महाकाल है तो दूसरी ओर ओंकारेश्वर। इस वजह से रेलवे स्टेशन का विकास महाकाल की तर्ज पर किया जाए। हालांकि लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन के विकास के लिए पहले ही डिजाइन तय की जा चुकी है और इसका भूमिपूजन भी पूर्व में किया जा चुका है, लेकिन अब कैलाश विजयवर्गीय के आह्वान पर केंद्रीय रेलवे मंत्री ने महाकाल की तर्ज पर स्टेशन का नया डिजाइन तैयार करवाने की बात कही है।

नशे के लिए करते थे चोरी

◆गैंग के फरार साथी की भोपाल पुलिस को भी तलाश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर में बढ़ती बाइक चोरी की घटनाओं ने पुलिस की नींद उड़ा रखी है। रोजाना कई वाहन चोरी हो रहे हैं। अपराधों पर नियंत्रण के लिए पुलिस सघन चेकिंग अभियान चला रही है। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच ने चोर गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। तीनों बदमाश नशे की लत पूरी करने वारदात को अंजाम देते थे। गैंग का एक सदस्य मारपीट और अन्य मामले में भोपाल के थाने से फरार चल रहा है। बदमाशों को चोरी की बाइक के साथ पकड़ा है। उनसे दो बाइक बरामद की है। पकड़े गए बदमाशों मोहम्मद मोइन उर्फ अमन खान निवासी ग्रीन पार्क कॉलोनी चन्दन नगर, उत्कर्ष दरबार निवासी विष्णुपुरी मेन साईं विला अपार्टमेंट तथा आलोक सिंह गहरवार निवासी नानक नगर भंवरकुआ है। बदमाशों का एक साथी आलोक गहरवार मिसरोद जिला भोपाल फरार चल रहा है। आरोपी आलोक भोपाल के कुछ थानों में झगड़े, मारपीट के प्रकरण में फरार चल रहा है। आरोपियों ने बताया कि उनके द्वारा थाना भंवरकुआ व थाना लसूडिया क्षेत्र से मोटर सायकल चुराई गई थी। इन बाइकों को बेचने की फिराक में घुम रहे थे। बदमाशों से अन्य वारदातों को जानकारी लेने कड़ाई से पूछताछ की जा रही है।

रिश्वतखोर सरपंच के समर्थकों ने फरियादी को दी जान से मारने की धमकी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। लोकायुक्त पुलिस ने दो दिन पहले सिंहासा गांव के सरपंच को 80000 की रिश्वत लेते हुए पकड़ा था। अब सरपंच के समर्थकों के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने की शिकायत फरियादी ने की है। गौरतलब है कि सरपंच नारायण सिंह चौहान के खिलाफ फरियादी पूरण राठौर निवासी जवाहर टेकरी ने लोकायुक्त को शिकायत करी थी की मछली पालन के ठेके के एवज में सरपंच नारायण ने उसे रिश्वत की मांग की है। 80000 लेते हुए नारायण सिंह चौहान को लोकायुक्त पुलिस ने पकड़ा भी था। अब फरियादी पूरनसिंह ने रिश्वतखोर सरपंच के समर्थक महेश चौहान, राधेश्याम पटेल, कुंदन चौधरी, भारत शुक्ला, सोनू थापा, अनिल परमार, दिलीप परिहार, दिनेश आर्य, अजय चौहान, कान्हा ठाकुर और अन्य के खिलाफ गाली गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आवेदन पुलिस उपयुक्त झोन 4 को दिया है, जिसमें बताया है कि सरपंच के पकड़ाने के बाद थाने पर ही उसके साथ गालीगलौज और जान से मारने की धमकी दी गई। उसने शिकायत की भी थी लेकिन उसकी सुनवाई तब नहीं हुई।

अति पुलिस उपायुक्त सीमा अलावा को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। आज इंदौर पुलिस को गौरवान्वित करने वाला क्षण आया, जब डिण्डौरी जिले में आज आयोजित जनजातीय सम्मान समारोंह के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अति. पुलिस उपायुक्त (मुख्या) इंदौर श्रीमती सीमा अलावा को जनजातीय कला पिथौरा के क्षेत्र में अद्वितीय उपलब्धि एवं अभिन्न योगदान के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार जनगण श्याम सम्मान से किया सम्मानित किया गया। इस विशिष्ट सम्मान से सम्मानित होने पर, पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री मकरंद देऊस्कर सहित सभी अधिकारियों ने अति. पुलिस उपायुक्त (मुख्या) श्रीमती सीमा अलावा को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कुख्यात बदमाश पर लगाई रासुका

इंदौर। भंवरकुआ सहित कई थाना क्षेत्रों में हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, चोरी, अपहरण, बलात्कार, अवैध वसूली, चाकूबाजी, मारपीट के डेढ़ दर्जन अपराध से लदे बदमाश अमृत पिता महेश कटारिया को निवासी विद्या नगर झोपडपट्टी को पुलिस ने रासुका में निरुद्ध किया है। बदमाश वारदात की नीयत से लिंबोदी के पास खड़ा था।

महिलाओं के लिए भी लगी इंदौर पुलिस की साइबर पाठशाला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **इंदौर पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये, इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में दिनांक 03.10.23 को अति. पुलिस उपायुक्त क्राइम इंदौर ने पुलिस टीम के साथ महिलाओं को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया।**

सायबर अवेयरनेस के तहत महिलाओं के लिए नवरंग प्लाजा, सपना संगीता रोड इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में एडीशनल डीसीपी क्राइम श्री राजेश दंडोतिया ने, अपनी 165 वीं कार्यशाला में करीब 250 महिलाओं को वर्तमान समय के साइबर अपराधों के प्रकारों और इनसे बचने के तरीकों को बताते हुए, उन्हें पुलिस के पास आने वाली साइबर अपराधों की शिकायतों की केस स्टडी के आधार पर, विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड, फाइनेंशियल फ्रॉड और सोशल मीडिया से संबंधित अपराधों की जानकारी दी। उन्होंने सभी से कहा कि वर्तमान का दौर डिजिटल वह तकनीकी का दौर है, इसमें सुविधाओं के साथ ही साइबर अपराधियों का खतरा भी है, इसलिए हमें जागरूक और सतर्क रहकर ही हर कार्यवाही करना चाहिए। उन्होंने सभी से सावधानी के साथ सोशल मीडिया और ऑनलाइन फाइनेंशियल काम करने तथा अपनी निजी जानकारी किसी से भी शेयर नहीं करने के संबंध में समझाईश दी। इस अवसर पर महिलाओं ने साइबर सुरक्षा संबंधी बारिकियों को समझा और इंदौर पुलिस के इस अभियान की सराहना करी।

धार-बड़वानी से लाए थे गांजा

दो युवकों से ढाई किलो मादक पदार्थ जब्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **शहर में बाहरी जिलों से बड़ी मात्रा में मादक पदार्थों की खरीद फरोख्त हो रही है। इन्हें रोकने में पुलिस अक्षम साबित होती है। इंदौर में रहने वाले दो युवक धार और बड़वानी जिले से गांजा लाकर सप्लाय करते थे। पुलिस ने उनके पास से ढाई किलो गांजा जब्त किया है।**

राऊ पुलिस द्वारा गोल चौराहा पर चैकिंग अभियान चल रहा था। इसी दौरान सूचना मिली की दो युवक सफेद रंग की कार में महू तरफ से गांजा लेकर इन्दौर निकलने वाले हैं। सूचना पर महू की ओर से आने वाले वाहनों की चेकिंग की। इसी दौरान पुलिस ने कार सवार दुष्यंत उर्फ अमित पिता विजय होलकर निवासी बाराभाई कालोनी तथा उसके साथी प्रणव उर्फ चिंटू पिता प्रवीण तिवारी निवासी द्रविड़ नगर चौराहा को पकड़ा। कार की डिग्गी से गांजा जब्त किया। आरोपियों ने बताया कि उन्हें चन्दू गायकवाड नामक युवक ने सिंघाना जिला धार ने दिया था। चंदू अंजड जिला बड़वानी का रहने वाला है।

बदमाश से पिस्टल बरामद

इंदौर। वारदात की नीयत से घुम रहे बदमाश को चंदननगर पुलिस ने पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम मोहम्मद अली निवासी नूरानी नगर है। वह नशे का आदी है। नशे की लत पूरी करने पिस्टल बेचता था। बदमाश के खिलाफ विभिन्न थानों में हत्या का प्रयास, लूट, चोरी, मारपीट, अपहरण, एनडीपीएस एक्ट, बलात्कार जैसे मामले दर्ज है। बदमाश पिस्टल कहां से लाया, इसे लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

जहां करता था काम, वहीं कर ली चोरी

◆साथी के साथ मिलकर की थी वारदात, खरीदार भी धराया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। जिस दुकान में हम्माल काम करता था, उसी में हम्माल ने अपने साथी के मिलकर एल्युमीनियम के 21 बंडल चुरा लिए। चोरी के बंडल की कीमत सवा लाख रुपए बताई गई है। इन बंडलों को खरीदार को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रावजी बाजार थाने में 11 सितम्बर को फरियादी शंकरलाल पिता नाथूलाल अग्रवाल निवासी व्यंकटेश विहार कालोनी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी दुकान से आए दिन एल्युमिनियम के बंडल चोरी हो रहे हैं। फरियादी ने दुकान में हम्माली करने वाले विनोद पर शंका जाहिर की थी। इस पर पुलिस ने विनोद वर्मा निवासी साउथ तोड़ा को गिरफ्तार किया। विनोद ने अपने साथी गम्मू खान निवासी दौलतगंज के साथ चोरी करना कबूला। पुलिस ने गम्मू को भी पकड़ा है। आरोपियों ने चोरी का माल खरीदने वाले बिंटू उर्फ पिंटू भारद्वाज निवासी नंदबाग मेन रोड, रामकृष्ण राठौर निवासी सुदामा नगर, बुरहानुद्दीन वहीवाला निवासी गुलजार कालोनी को गिरफ्त में भी लिया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ■ समूह PRO - एल.एन. उग्र ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।